This question paper contains 4 printed pages]

Roll No. | | | | | | | | | | |

S. No. of Question Paper : 8554

Unique Paper Code : 52051222 GC-4

Name of the Paper : MIL, Hindi-B 'हिंदी भाषा और साहित्य' (ख)

Name of the Course : B.Com. (Prog.)

Semester : II

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 75

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।)

1. किन्हीं **तीन** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

(क) कस्तूरी कुंडलि बसे, मृग ढूँढ़े बन माहि।
ऐसे घट-घट राम हैं, दुनिया देखे नाहि।

अथवा

जासु बियोग बिकल पसु ऐसे। प्रजा मातु पितु जिइहहिं कैसे॥

बरबस राम सुमंत्रु पठाए। सुरसरि तीर आपु तब आए॥
मांगी नाव न केवटु आना। कहइ तुम्हार मरमु मैं जाना॥
चरन कमल रज कहुँ सबु कहई। मानुष करनि मूरि कहु अहई॥ 10

P.T.O.

(ख) बतरस-लालच लाल की मुरली धरी लुकाइ।
सौंह करै भौहनु हंसै, दैन कहै नटि जाइ॥

अथवा

इंद्र जिम जंभ पर बाड़व ज्यौं अंभ पर रावन सदंभ
पर रघुकुलराज है।
पौन वारिवाह पर संभु रतिनाह पर ज्यौं सहस्रबाहु पर
राम द्विजराज है।
दावा द्रुमदंड पर चीता मृगझुंड पर भूषन वितुंड पर
जैसें मृगराज है।
तेज तम-अंस पर कान्ह जिम कंस पर यौं मलेच्छ-बंस
पर सेर सिवराज है। 10

(ग) दीप-शिखा है अन्धकार की
घनी घटा की उजियाली
ऊषा है यह कमल-भृंग की
है पतझड़ की हरियाली॥

अथवा

वर दे, वीणावादिनी वर दे!
प्रिय स्वतंत्र-रव अमृत-मंत्र नव

भारत में भर दे!

काट अंध-उर के बंधन-स्तर

बहा जननि, ज्योतिर्मय निर्झर;

कलुष-भेद-तम हर प्रकाश भर 10

जगमग जग कर दे!

किसी एक कवि का साहित्यिक परिचय दीजिए : 10

(क) तुलसीदास;

(ख) भूषण।

पाठ्यक्रम में निर्धारित दोहे के आधार पर कबीर-काव्य में वर्णित साधु के महत्त्व को स्पष्ट कीजिए। 10

अथवा

श्रृंगार व भक्ति बिहारी के काव्य की मुख्य विशेषताएँ हैं। इस कथन पर टिप्पणी कीजिए।

"भूषण ओज रस के कवि हैं"—पाठ्यक्रम में निर्धारित पदों के आधार पर सिद्ध कीजिए। 10

अथवा

सुभद्राकुमारी चौहान की कविता 'बालिका का परिचय' का मूल भाव स्पष्ट कीजिए।

5. किन्हीं तीन पर टिप्पणी लिखिए :

(*i*) 'हिंदी' शब्द की व्युत्पत्ति;

(*ii*) भारत के हिंदी भाषी-क्षेत्र;

(*iii*) आदिकाल का नामकरण;

(*iv*) कृष्ण-काव्य की विशेषताएँ;

(*v*) द्विवेदी-युगीन काव्य की विशेषताएँ;

(*vi*) प्रयोगवादी कविता।